Allocation to Madhya Pradesh for Developmental work in the 8th Five Year Plan

*273. SHRI ASHWANI KUMAR: Will the Minister of PLANNING AND PROGRAMME IMPLEMENTATION be pleased to state:

(a) what is the actual allocation made in the Eighth Five Year Plan for Developmental projects in the State of Madhya Pradesh;

(b) what is the actual demand of the Madhya Pradesh Government;

(c) what are the names of major projects for which the allocation has been made in the Eighth Five Year Plan and what arc the names of other projects which have been left out; and

(d) what arc the reasons therefor?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF PLANNING AND PROGRAMME IMPLEMENTATION (SHRI H. R. BHARDWAJ): (a) and (b) Government of Madhya Pradesh has proposed an outlay of Rs. 15,000 crores for the Eighth Five Year Plan (1992—97). The Eighth Five Year Plans of the States including Madhya Pradesh arc in the process of finalisation.

(c) and (d) Do not arise.

Modernisation and Design Upgradation of Handloom Industry

*274. SHRI HARVENDRA SINGH HANSPAL: Will the Minister of TEXTILES be pleased to state:

(a) whether Government have a proposal for modernisation and design upgradation of the handloom industry;

(b) if so. what arc the details thereof;

(c) by when the proposal would be announced by Government; and

(d) what is the extent to which it will help the handloom industry at large?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF TEXTILES (SHRI ASHOK GEHLOT): (a) Yes, Sir.

(b) The Government of India is implementing a scheme of modernisation of handlooms to upgrade technology of the handloom weavers and to equip them with modern accessories to improve their productivity and to reduce the fatigue involved. Under the scheme in operation so far, a sum of Rs. 13.25 crores has been spent in the past in Sixth & Seventh Plans. The scheme has now been revised upwards and assistance available for accessories and handlooms is Rs. 8,000/-for Jacquard loom; Rs. 4.000/- for ordinary loom and Rs. 2,000/- for accessories. The scheme envisages a loan and grant component and is shared equally by the Centre and the State Governments-.

For design development in the handloom sector a scheme known as National Design Collection Scheme is in operation in which assistance is provided to a maximum of Rs. 1.50 lakhs per project for introduction of new designs in traditional products and for organising exhibitions and sales thereof. In addition, regular design input is provided by 23 Weavers' Service Centres being run by the Development Commissioner for Handlooms. Ministry of Textiles, Government of India in areas of Weavers concentration.

(c) Scheme is already under implementation.

(d) The impact of these schemes can be appraised by the increase in production of handloom cloth from 4155 million metres at the end of Seventh Plan to 4541 million metres in 1990-91.

Secretary level Meeting with Pakistan

*275. PROF. SAURIN BHATTACHARYA: SHRI SURESH KALMADI: Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether Government have suggested the Government of Pakistan to have some common issues settled and sorted out at the level of Foreign Secretaries of both Governments;

(b) whether any response has been received from Pak side; and

(c) if so, the facts and details thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS

(SHRI EDUARDO FALEIRO): (a) and (b) On 28 May, 1990, India proposed a Package of Confidence Building Measures to Pakistan. Pursuant to this, five rounds of Foreign Secretary level talks have been held so far. Another round of these talks is proposed to be held soon.

(c) These talks have covered the entire gemut of bilateral issues between the two countries.

हुकुम चन्द मिल लिमिटेड, इंदौर का बंद किया जाना

@*276. **श्री कैलाश नारायण सारंग:** क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) अचानक बंद कर दी जाने वाली किसी भी टेक्सटाइल मिल के मजदूरों को केंद्रीय सरकार द्वारा किस प्रकार की सहायता प्रदान की जाती है;

(ख) क्या यह सच है कि इंदौर स्थित हुकुम चन्द मिल लिमिटेड को बी० आई० एफ० आर० द्वारा परिसमापन के आदेश जारी कर दिये जाने पर अचानक बंद कर दिया गया है और यदि हां, तो उस मिल के मजदूरों के हितों की सुरक्षा के लिए सरकार क्या कार्यवाही कर रही है;

(ग) केन्द्रीय सरकार मिल को क्या सहायता प्रदान कर रही है;

(घ) क्या यह भी सच है कि मिल के प्रवर्तक गायब हैं और मिल के मजदूरों को उन्हें देय राशियों का भुगतान नहीं हो रहा है; और

(ङ) क्या टेक्सटाइल मजदूरों को राष्ट्रीय कपड़ा निधि से भुगतान किया जाएगा और यदि नहीं, तो उसके क्या कारण है?

वस्त्र मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री अशोक गहलोत): (क) से (ङ) वर्ष 1985 की वस्त्र नीति के अनुसरण में उन मिलों के कामगारों के लाभ के लिए वस्त्र कामगार पुनर्वास निधि योजना की स्थापना की गई है जो कि औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 25(ओ) के अंतर्गत औपचारिक रूप से बन्द की गई हैं अथवा एकक को समाप्त करने की प्रक्रिया के दौरान कंपनी अधिनियम, 1976 के अंतर्गत उच्च न्यायालय द्वारा एक सरकारी परिसमापक की नियुक्ति की गई है। औद्योगिक तथा वित्तीय पुनर्निर्माण बोर्ड (बी०आई०एफ० आर०) ने 11 सितम्बर, 1991 को मैसर्स हुकुम चंद मिल्स, इंदौर को समाप्त करने का निर्णय लिया था क्योंकि उसके लिए पुनर्स्थापना पैकेज व्यावहारिक नहीं पाया गया था। उसके बाद बैंकों ने बैंकिंग प्रचालन बंद कर दिया और सूचना के अनुसार 9 दिसम्बर, 1991 से मिल को बन्द कर दिया गया। मिल ने औद्योगिक तथा वित्तीय पुनर्निर्माण संबंधी अपील प्राधिकारी (ए०ए०आई० एफ०आर०) को एक अपील दायर की है। इस समय यह मिल वस्त्र कामगार पुनर्वासन निधि योजना के अंतर्गत राहत पाने की पात्र नहीं है क्योंकि न तो यह औपचारिक रूप से बंद की गई है और न ही सरकारी परिसमापक की नियुक्ति की गई है।

राज्य सरकार की रिपोर्ट के अनुसार निजी प्रबंधक इन्दौर से अदृश्य हो गए हैं। तथापि, श्रम न्यायालय के आदेश पर कामगारों को मिल के तैयार माल की बिक्री के बाद नवंबर, 1991 तक के वेतन अदा कर दिए गए हैं।

तथापि, सरकार ने किसी राष्ट्रीय वस्त्र निधि की स्थापना नहीं की है।

@पूर्वतः तारांकित प्रश्न 236, 12 मार्च, 1992 से स्थानान्तरित।

Setting up of Karnataka High Court bench at Dharwad

*277. SHRI H. HANUMANTHAPPA: Will the Minister of LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether there is any proposal under Government's consideration to establish a Bench of the Karnataka High Court at Dharwad; and

(b) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS (SHRI K. VIJAY BHASKARA REDDY): (a) No, Sir.

(b) Does not arise.

वस्त्र मंत्रालय द्वारा जारी किए गए आदेशों का पालन न किया जाना

*278. **श्री सत्य प्रकाश मालवीय:** क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि जून, 1991 में तत्कालीन वस्त्र मंत्री द्वारा राष्ट्रीय वस्त्र निगम, भारतीय कपास निगम, राष्ट्रीय हथकरघा निगम और वस्त्र निर्यात संवर्धन परिषद के कार्यों की जांच करने और इनके कार्यों में सुधार करने हेतु सुझाव देने के लिए कुछ समितियां गठित की थीं;

(ख) यदि हां, तो क्या यह भी सच है कि इन